D (Printed Pages 7)

(21224) Roll No. .....

B.Com. LL.B - VII Sem.

NS-3033

B.Com. LL.B. Examination, Dec.-2024

Interpretation of statutes

(BCL-7003)

Time : Three Hours] *[Maximum Marks : 100*

Note : Attempt **all** the sections as per instructions.

नोटः **सभी** खण्डों को निर्देशानुसार हल कीजिए।

Section-A/खण्ड-अ

(Very Short Answer Type Questions)

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

Note : Attempt all **4** questions. Each question carries **5** marks. Very short answer is required not exceeding **75** words.

P.T.O.

नोटः **सभी चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न **5** अंकों का है। अधिकतम **75** शब्दों में अति लघु उत्तर अपेक्षित है।

1. What is the object of statutory interpretation?

   सांविधिक निर्वचन का क्या उद्देश्य है?

2. Explain the role of Judiciary in statutory interpretation in India in brief.

   भारत में सांविधिक निर्वचन में न्यायालय की भूमिका को संक्षेप में समझाइये।

3. Explain the principle of 'Pith and Substance'.

   सार एवं तत्व के सिद्धान्त का वर्णन कीजिए।

4. 'Statute must be read as whole'. Explain.

   'कानून को सम्पूर्ण रूप से पढ़ा जाना चाहिये।' व्याख्या कीजिए।

Section-B/खण्ड-ख

(Short Answer Type Questions)

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

Note : Attempt any **two** questions out of the following **3** questions. Each question carries **10** marks. Short answer is required not exceeding **200** words.

नोटः निम्नलिखित 3 प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है। अधिकतम 200 शब्दों में लघु उत्तर अपेक्षित है।

5. "Whether an enactment is mandatory or directory depends on its scope and object." Critically examine.

"कोई विधान आज्ञापरक है अथवा निर्देशात्मक यह उसके विस्तार और उद्देश्य पर निर्भर करता है।" आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

6. "When two or more provisions of the same statute are repugnant; the court will try to construct the provisions in such a manner ; if possible as to give effect to all by harmonising with each other." Discuss this rule of interpretation with the help of decided cases.

"जब किसी कानून के दो या दो से अधिक उपबन्ध एक-दूसरे के विरुद्ध हो, तो न्यायालय उन उपबन्धों का निर्वचन इस प्रकार करने का प्रयास करते हैं जिससे यदि संभव हो तो सभी उपबन्धों में सामन्जस्य बना रहे।" निर्वचन के इस नियम की निर्णीत वादों की सहायता से व्याख्या कीजिए।

7. Explain the principle of interpretation with regard to repeal of Legislation.

विधान के निरसन से सम्बन्धित निर्वचन के सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।

Section-C/खण्ड-स

(Detailed Answer Type Questions)

(विस्तृत उत्तरीय प्रश्न)

Note : Attempt any **three** questions out of the following **five** questions. Each question carries **20** marks. Answer is required in detail.

नोटः निम्नलिखित **पाँच** प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न **20** अंकों का है। विस्तृत उत्तर अपेक्षित है।

8. What do you understand by Harmonious construction? Explain with the help of leading cases.

सामन्जस्यपूर्ण अर्थान्वयन से आप क्या समझते हैं? मार्गदर्शक निर्णयों की सहायता से समझाइये।

9. Discuss the law relating to Taxing statutes.

करारोपण सम्बन्धी संविधियों के निर्वचन का वर्णन कीजिए।

10. What do you understand by 'The Golden Rule' of interpretation? Do you agree with the comment that there is no rule like golden rule?

निर्वचन के 'स्वर्णिम नियम' से आप क्या समझते हैं? क्या आप इस टिप्पणी से सहमत हैं कि स्वर्णिम नियम जैसा कोई नियम नहीं है?

11. Explain the principle of 'Ejusdem Genesis'.

'सजाति अर्थान्वयन' के सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।

12. What do you understand by external aids to interpretation of statute? Explain.

संविधि के निर्वचन में वाह्य सहायकों से आप क्या समझते हैं? व्याख्या कीजिए।